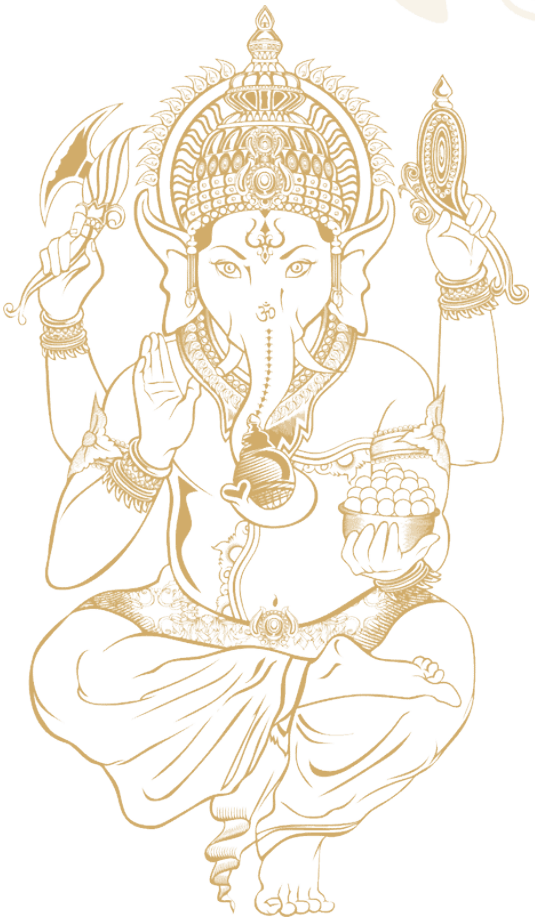

Nishant

Gungun

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121578405

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
24/08/2004	जन्म तिथि	18-19/01/2003
मंगलवार	दिन	शनि-रविवार
घंटे 13:34:00	जन्म समय	05:00:00 घंटे
घटी 19:07:03	जन्म समय(घटी)	54:22:41 घटी
India	देश	India
Delhi	स्थान	Delhi
28:39:00 उत्तर	अक्षांश	28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व	रेखांश	77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08	स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:55:10	सूर्योदय	07:14:55
18:52:11	सूर्यास्त	17:48:10
23:55:10	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:44

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 13वर्ष 4मा 2दि		16:08:43	वृश्चि	लग्न	धनु	00:38:14	शनि 7वर्ष 9मा 4दि	
शुक्र		07:34:26	सिंह	सूर्य	मक	04:33:43	बुध	
27/12/2024		19:32:10	वृश्चि	चंद्र	कर्क	11:13:07	24/10/2010	
27/12/2044		14:54:36	सिंह	मंगल	वृश्चि	07:15:45	25/10/2027	
शुक्र	27/04/2028	06:42:40	सिंह व	बुध व	धनु	19:36:42	बुध	22/03/2013
सूर्य	28/04/2029	29:17:12	सिंह	गुरु व	कर्क	21:04:43	केतु	19/03/2014
चन्द्र	27/12/2030	21:57:36	मिथु	शुक्र	वृश्चि	17:53:13	शुक्र	17/01/2017
मंगल	26/02/2032	28:40:26	मिथु	शनि व	वृष	29:18:09	सूर्य	24/11/2017
राहु	26/02/2035	10:20:49	मेष व	राहु व	वृष	13:39:37	चन्द्र	25/04/2019
गुरु	27/10/2037	10:20:49	तुला व	केतु व	वृश्चि	13:39:37	मंगल	21/04/2020
शनि	27/12/2040	11:01:57	कुंभ व	हर्ष	कुंभ	03:14:17	राहु	09/11/2022
बुध	28/10/2043	19:35:19	मक व	नेप	मक	16:18:51	गुरु	13/02/2025
केतु	27/12/2044	25:38:06	वृश्चि व	प्लूटो	वृश्चि	24:59:36	शनि	25/10/2027

लग्न-चलित

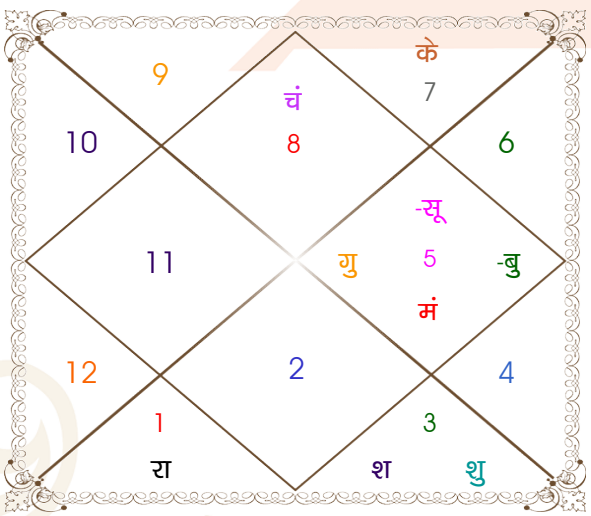

लग्न-चलित

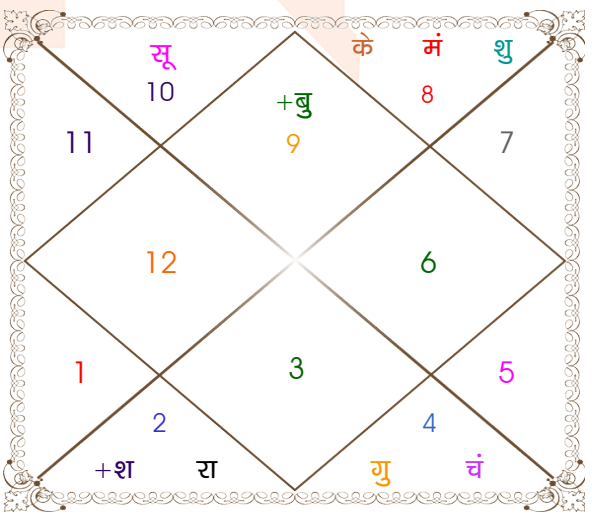

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	विप्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	जलचर	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	सम्पत	अतिमित्र	3	3.00	--	भाग्य
योनि	मृग	मेष	4	3.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	चन्द्र	5	4.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	देव	6	1.00	--	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कर्क	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	मध्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	21.00		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

Nishant का वर्ग सर्प है तथा ळनदहनद का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Nishant और ळनदहनद का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Nishant मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में दशम् भाव में स्थित है।

ळनदहनद मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

व्यये च कुजदोषः कन्यामिथुनयोरविना।
द्वादशे भौमदोषस्तु वृषतौलिकयोरविना।।

अर्थात् व्यय भाव में यदि मंगल बुध तथा शुक्र की राशियों में स्थित हो तो भौम दोष नहीं होता है।

क्योंकि मंगल ळनदहनद कि कुण्डली में द्वादश भाव में वृश्चिक राशि में स्थित है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

तनुधनुमदमायुर्लाभ व्ययगः कुजस्तु दाम्पत्यम्।
विघटयति तद् गृहेशो न विघटयति तुंगमित्रगेहेवा।।

यदि मंगल स्व राशि अथवा उच्च का हो तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल ळनदहनद कि कुण्डली में स्वराशि में है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु Nishant कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Nishant तथा ळनदहनद में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।